Communion

पवित्र प्रभु भोज

पवित्र प्रभु भोज

परिचय :

पवित्र बाईबल मनुष्यों की परंपराओं के बारे में हमें बताती है। मत्ती 15 अध्याय, मरकुस 7 अध्याय इत्यादि में। कुछ लोक उस परंपराओं का पालन करते हैं परन्तु परमेश्वर का वचन का नही। हम जरूर परमेश्वर का वचन का पालन करना है और निश्चय हमारा विश्वास उनका जीवित वचन ऊपर आधारित होना चाहिए।

हम त्रीएक परमेश्वर पर विश्वास करते हैं। तीन व्यक्तित्व एक ही जीवित परमेश्वर में, यह एक रहस्य तो है, लेकिन सत्य है। हम विश्वास करते है कि हमारे प्रभु यीशु मसीह परमेश्वर है और मनुष्य भी। इसका यह मतलब है कि उसका दो स्वभावें है। (1) दैविक और (2) मानवीय। मनुष्य का ज्ञान यह ग्रहण नही कर सकता परन्तु यह विश्वसनीय सत्य परमेश्वर का वचन है। दिमाक कहता है असम्भव परन्तु विश्वास कहता है, में विश्वास करता हूँ। परमेश्वर का वचन जो शिक्षा देती है हम उसे जरूर विश्वास करना उचित है। पवित्र प्रभु भोज में भी रहस्य और असमझ कि केई बात देखते है परन्तु परमेश्वर का वचन की शिक्षा को हम ग्रहण करना चाहिए। हम छोटा सामुएल जैसे यह कहे – "प्रभु बोल; आपका सेवक सुनता है।" हम परमेश्वर का वचन को आदर करे विश्वास करे और उसका पालन दिल से करे।

मसीह का वचनों :

पवित्र प्रभु भोज के बारे में शिक्षा हम निम्न वचनों में पढ़ सकते है। मत्ति 26 : 26-29, मरकुस 14 : 22-25, लुका 22 : 19-22 और 1 कुरिन्थियों 10 : 14-22. इन वचनों में हमारे प्रभु यीशु मसीह रोटी के बारे में निम्न प्रकार कहता है "यह मेरा देह है।" एवं दाख रस के बारे में "यह मेरा लहू है।"

वह अपनी चेलों से यह भी कहता है – "इस रोटी से खाओ और इस कटोरा से पीओ। पवित्र प्रभु भोज में चार उपकरण शामिल; वे है, (1) रोटी, (2) दाख रस, (3) यीशु मसीह का शरीर, (4) यीशु मसीह का लहू। हम कहते है कि यह चार उपकरणों में से दो सांसारिक है और दो स्वर्गीय है जिस में हम शामिल रहते है। जब हमारे उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह प्रभु भोज में अपनी देह हम सबके लिए देता है और उसके बहुमूल्य बहू हमारे पापों के लिए बहाया है तो हम यह जानते हैं कि प्रभु यीशु मसीह इस पवित्र संस्कार में अपनी ऊपर विश्वास करने वालों को पाप क्षमा का प्रतिज्ञा देता है जैसे वचन अर्थात सुसमाचार में कहता हैं। हम जब जब पवित्र प्रभु भोज में भाग लेते हैं और प्रभु भोज ग्रहण करते है तब उनका क्रूस का मृत्यु को स्मरण करते है जो हमारे लिए अपने आपको बलिदान के रूप में दे दिया। उससे हम अपना पाप की क्षमा का भी स्वरण करके तसल्ली लेते है। जब जब हम रोटी खाते है और दखरस पीते है तब तब हम हमारे उद्धार केलिए प्रभु यीशु मसीह का उस प्रेमपूर्ण काम का घोषणा और प्रचार करते हैं।

पवित्र वचन पवित्र वचन का ही व्याख्या करती हैं :

बाईबल हम से वचनों का अर्थ का वर्णन करती है और हम उसका विश्वास करते है। परमेश्वर का वचन का कुछ रहस्यों का समझने के लिए और विश्वास करने के लिए अवश्य है कि हम प्रार्थना के साथ अधिक समय बाईबल अध्ययन में व्यतित करें। पवित्र बाईबल के वचन में दूध भी है और मांस भी। उस से बढ़कर हम नीचे दिया गया वचन का विश्वास करें। "यदि ये हमारे उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह की पहिचान द्वारा संसार की अशुद्धताओं से बच निकलने के बाद फिर उन में फस कर हार गए, तो उनके लिए पिछली दशा पहिले से भी बुरी हो गई।" 2 पतरस 2 : 20

पवित्र प्रभु भोज के बारे में बाईबल की वचन का हम पूरा पूर्ण विश्वास करते है और सारे वचनों को (अर्थात् बाइबल का अलग अलग पुस्तकों में दिया

गया) मिलाकर उसका अर्थ समझकर उसके अनुसार ग्रहण और पालन करते हैं प्रभु यीशु मसीह ने कहा "यह मेरा शरीर हैं ..... और यह मेरा लहू है।" कुछ लोक यह विचार करते है या सोचते है कि यीशु ने जो कहा रोटी और रस उसका देह और लहू का प्रतीक है या देह और लहू को दर्शाता है परन्तु उनका इस विचार को समर्थन करने वाली वचन बाईबल में कहीं भी नही है। यह वचन समझने की कठिन है परन्तु यह सत्य और विश्वसनीय है कि "यह मेरा देह और लहू है।"

साधारण रोटी और दाख रस से बड़ा विषय इस वचनों में है। प्रेरित पौलूस का वचन 1 कुरिन्थियों को पढ़िए; **"अतः मनुष्य अपने आप को परखे तब इस रोटी को खाए और इस कटोरे में से पीए। क्योंकि जो खाता और पीता है, यदि उचित रीति से प्रभु की देह को पहिचाने बिना खाता पीता है तो अपने ऊपर दण्ड लाने के लिए ही ऐसा करता है।"** 1 कुरिन्थियों 11 : 28-29. **"अतः मनुष्य अपने आप को परखे तब इस रोटी को खाए और इस कोटरे में से पीए क्योंकि जो खाता और पीता है; यदि उचित रीति सेप्रभु देह को पहिचाने बिना खाता, पीता है तो अपने ऊपर दण्ड लाने केलिए ही ऐसा करता है"।** यह हम देखते है कि जो अनुचित रीति से खाता और पीता है। वह रोटी और कटोरे का रस से नही परन्तु यीशु मसीह का देह और लहू का दोषी पाया जाता है।

पौलूस 1 कुरिन्थियों 11 : 29 में कहता है – "क्योंकि जो खाता और पीता है यदि उचित रीति से प्रभु की देह को पहिचाने बिना खाता पीता है तो अपनी ऊपर दण्ड लाने के लिए ही ऐसा करता है।

उस दण्ड क्या है? हम 1 कुरिन्थियों 11 : 30 में दण्ड के बारे में पढ़ते हैं – "इसी कारण तुममे से बहुत-से निर्बल और रोगी है; और बहुत से सो भी गए। अपने आप को परखने का क्या अर्थ है? इसका अर्थ यह कि हम जाने

अनजाने किया हुआ पापों के लिए सच्चे दिलसे पश्चत्ताप कर और प्रभु से माफी मांग लें। कुरिन्थियों कि कलीसियों पहले तो अपने आप को उचित रीति से नही परखे थे फिर वे प्रभु की देह से और लहू से पाप क्षमा का प्रतिज्ञा पर विश्वास नही किया। इसलिए वे अपने ऊपर दण्ड लाए। 1 कुरुन्थियों 10 अध्याय में पौलूस कहता है कि जब हम रोटी खाते है तब हम प्रभु का देह को खातै है। और जब कटोरे में से पीते है तो उनका लहू को हम पीते है। इस बात जो रहस्य है, जो रोटी और रस देह और लहू है, हम इसे सही रीति से समझना बहुत आवश्यक है।

परमेश्वर का वचन में सामर्थ है :

यह साधारण रोटी और रस है जब तक विश्वास के साथ और वचन के द्वारा हम इसे ग्रहण नहीं करते। हमारे प्रभु यीशु मसीह का वचन को हम जब तक नही सुनते और जब तक उस पर विश्वास नहीं करते, तब तक यह साधारण रोटी और दाख रस है, परन्तु जब हम विश्वास के साथ ग्रहण करते हैं तो यह हमारे वचन के अनुसार या प्रतिज्ञा के अनुसार आशिष का आधार या मध्यम बनते हैं। परमेश्वर का अनुग्रह, हमारे विश्वास को बढ़ाता है और हमारे पापों से क्षमा और सामर्थ हमें दिलाता है। जब हम परमेश्वर का वचन का पालन करते है तो हमारे दिलों में पवित्र आत्मा कार्य करता है। ठीक उस रीति से जब हम पवित्र प्रभु भोज में भी अपने प्रभु यीशु मसीह का वचन पर विश्वास और पालन करते है तो पवित्र आत्मा हमारे दिलों में काम करता है।

कुछ लोक कहते हैं कि प्रभु भोज में पाप क्षमा नहीं है। वे यह भी कहते है कि प्रभु भोजमें यीशु मसीह का देह और लहू का उपस्थिति नहीं होता है। वे लोग परमेश्वर का वचन का और उसका सामर्थ का विश्वास नही करते।

रोमन काथलिक चर्च के लोक कहते है और शिक्षा भी देते है कि उनका याजक या फादर रोटी और रस को प्रभु यीशु मसीह का देह और लहू में बदला

है, परन्तु बाईबल में किसी भी वचन इस बात का समर्थन नहीं करता। वे यह भी कहते है कि केवल आंशिक रूप में ही क्षमा प्रभु भोज से मिल सकता है, पूरी रीति से नही। इस बात का भी वचन समर्थन नहीं करता है। और भी दुख कि बात यह कि वे प्रभु भोज का प्रभु यीशु मसीह को दोवारा व क्रूस चढ़ाया जाकर मारा जाने का रूप में मनाते है। वे उस रोटी को प्रभु यीशु मसीहे का देह कह कर उसका आराधना भी करते है यह वचन का विरुद्ध है और वचन के अनुसार मूर्ति पूजा का पाप के रूप में लिया जाएगा।

हम लुथरन चर्च के लोक पवित्र बाईबल का वचनों का संपूर्ण रूप से पालन करते है। न तो वचने से कुछ जोड़ते हैं न ही तोड़ते है। हम प्रभु भोज में परमेश्वर का वचन पर और वचन की सामर्थ पर विश्वास करते हैं। प्रभु भोज अनुग्रह का मध्यम है, जहाँ हमारे परमेश्वर हमारे प्रभु यीशु मसीह का देह और लहू के द्वारा हमें पापों से क्षमा अनुग्रह से प्रदान करता है। हमारा इच्छा जो परमेश्वर का वचन का पालन करने के लिए उसका कारण हम प्रभु भोज में खमिर शून्य रोटी का उपयोग करते हैं जैसे हमारा प्रभु यीशु मसीह ने भी किया था। हर कलिसीया को यह अधिकार है कि प्रभु भोज को अपनी तरीका से पालन करे परन्तु वचन के अनुसार होना जरूरी है। हम लूथरन कलिसीया में साधारण तौर से महिने में एक बार के हिसाब से आयोजन करते हैं। हमारे रीति में प्रभु भोज उनके लिए भी है जो बीमार और कष्ट में होते है। हमारे प्रभु यीशु मसीह प्रभु भोज अपने पकड़वाया जाने का पहला रात अर्थात् गुरुवार की रात को दिया। हम भी उनको प्रभु मसीह को उन मेम्ना के रूप में विश्वास करते है जो पूरा दुनिया का पाप को उठा ले जाता है जो अपने अपने पापों के लिए पूरा दिल से पश्चात्ताप करते हैं और प्रभु यीशु की देह और लहू पर विश्वास करते है कि पाप क्षेमा का सामर्थ उस में है। प्रभु यीशु मसीह एक मात्र उद्धारकर्ता है। जो प्रभु का वचन से हमारे साथ सहमत है वह हमारे साथ शामिल भी है। हम उसको हमारे साथ शामिल करते जो हमारे साथ प्रभु का वचनों में समत होते है।

दृश्य कलीसियों के मध्य प्रभु भोज के बारे में तीन प्रकार की मत भेद –

कलीसियां	रिफार्म्ड़	लुथरन	रोमन केथलिक
प्रभु भोज में	रोटी और	रोटी और दाख रस	देह और लहू
उपयोगी उपकरणें	दाख रस		देह और लहू
शिक्षा और विश्वास	प्रतीक है	सचमुच में है	परिवर्तित होता है
प्रभु भोज से लाभ	क्षमा प्राप्त नहीं	क्षमा प्राप्त है	आंशिक रूप में क्षमा प्राप्त है

सारे महिमा और आदर हमारे परमेश्वर को ही मिले। आमीन